अखिल भारतीय श्री जैन रत्न आध्यात्मिक शिक्षण बोर्ड, जोधपुर

कक्षा : दसवी – जैन सिद्धान्त प्रभाकर उत्तरार्द्ध (परीक्षा 24 जुलाई, 2016)

समय : 3 घण्टे अंक : 100

रोल नं.: (अंकों में) .....

(शब्दों में) .....

परीक्षा केन्द्र की कोड संख्या :

केन्द्राधीक्षक/निरीक्षक के हस्ताक्षर

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश–

1. सभी प्रश्नों के उत्तर इसी पत्रक में प्रश्न के नीचे/सामने छोड़े गये रिक्त स्थान में ही लिखें।
2. काली अथवा नीली स्याही का प्रयोग करें, लाल स्याही का नहीं।
3. उत्तीर्ण होने के लिए कम से कम 50 प्रतिशत अंक पाना अनिवार्य है अन्यथा अनुत्तीर्ण माना जाएगा।
4. किसी भी प्रकार की नकल नहीं करें एवं किसी से बातचीत का भी प्रयास नहीं करें। इसके अंक काटे जा सकते हैं अथवा परीक्षा निरस्त की जा सकती है।
5. अधीक्षक, पर्यवेक्षक एवं वीक्षक के निर्देशों का पालन करें।
6. कहीं पर भी अपना नाम अथवा केन्द्र का नाम नहीं लिखें।

जाँचकर्त्ता के प्रयोग हेतु–

प्रश्न क्र.	1	2	3	4	5	कुल योग
प्राप्तांक						
पूर्णांक	10	10	10	28	42	100
पुनः जाँच						

जाँचकर्त्ता के हस्ताक्षर

प्र.1 निम्नलिखित प्रश्नों में से सही उत्तर का क्रमाक्षर कोष्ठक में लिखिए :- **10x1 = (10)**

(a) प्राकृत भाषा में वचन होते हैं -

(क) 3 (ख) 2

(ग) 1 (घ) 4 ( )

(b) फल शब्द का सम्बोधन का रूप है-

(क) फल (ख) फलं

(ग) फलस्य (घ) फलत्तो ( )

(c) 'वय' क्रिया का अर्थ है -

(क) खाना (ख) जाना

(ग) बोलना (घ) देखना ( )

(d) नारकी का एक नेरिया दूसरे नैरयिक से स्थिति की अपेक्षा है -

(क) त्रिस्थानपतित (ख) षट्स्थानपतित

(ग) द्विस्थान (घ) चतुस्थानपतित ( )

(e) 'दसद्धवण्णे' का अर्थ होता है-

(क) 10 वर्ण (ख) 5 वर्ण

(ग) 2 वर्ण (घ) 100 वर्ण ( )

(f) दिखाई देने वाले पुद्गल स्कन्ध कितने प्रदेशी होते हैं -

(क) असंख्यात (ख) अनन्त

(ग) अनन्तानन्त (घ) असंख्यात ( )

(g) ग्रहों की उत्कृष्ट स्थिति है-

(क) एक पल्योपम (ख) आधा पल्योपम

(ग) पाव पल्योपम (घ) पल्योपम का आठवां भाग ( )

(h) चौथे देवलोक में लेश्या पाई जाती है -

(क) शुक्ल (ख) पद्म

(ग) तेजो (घ) कृष्ण ( )

(i) पौषधशाला में आकर सुबाहुकुमार ने सर्वप्रथम प्रमार्जन किया -

(क) शय्यासंथारा (ख) हाथ-पैर

(ग) पौषधशाला (घ) उच्चार-पासवण भूमि ( )

(j) अदीनशत्रु राजा किसके समान भगवान के दर्शनार्थ निकला -

(क) जमाली (ख) देवानन्दा

(ग) श्रेणिक (घ) कौणिक ( )

प्र.2 निम्न प्रश्नों के उत्तर 'हाँ' अथवा 'नहीं' में दीजिए :- **10x1 = (10)**

(a) उत्तम धर्म श्रवण प्राप्त होने पर भी उसका आचरण दुर्लभ है। ( )

(b) सुबाहुकुमार ने मनुष्यायु का बन्ध किया तब वे मिथ्यादृष्टि थे। ( )

(c) 'कम्मुणा बंभणो होइ' यह गाथा दशवैकालिक सूत्र की है। ( )

(d) 'पुरिसा तुममेव तुमं मित्तं' यह वाक्य उत्तराध्ययन सूत्र का है। ( )

(e) जब दो समान जीवों की आपस में तुलना करें और स्थिति आदि में दुगुने से अधिक अन्तर होता है तो उसे संख्यात गुण-हीन कहते हैं। ( )

(f) जीव-पज्जवा का थोकड़ा भगवती सूत्र से लिया गया है। ( )

(g) जघन्य गुण वाले स्निग्ध और रुक्ष परमाणु में बन्ध नहीं होता। ( )

(h) पाँचों द्रव्य नित्य, अवस्थित व रूपी हैं। ( )

(i) सौधर्म देवलोक की उत्कृष्ट स्थिति दो सागर है। ( )

(j) मेरु पर्वत के समतल भाग से चन्द्र के विमान 880 योजन ऊपर हैं। ( )

प्र.3 मुझे पहचानो :- **10x1 = (10)**

(a) मेरी भयंकरता के कारण एक ही अध्ययन में मेरा नाम 36 बार लिया गया है। .....

(b) मैं सुपात्रदान के प्रभाव से सुबाहुकुमार बना। .....

(c) मैं जैन धर्म की आधारशिला हूँ। .....

(d) मेरी स्थिति एक स्थान पतित होती है। .....

(e) मुझमें गुण और पर्याय होते हैं। .....

(f) मेरी तरह जीव के प्रदेशों का संकोच-विस्तार होता है। .....

(g) मेरे प्रदेश नहीं होते हैं। .....

(h) मेरी स्थिति 7 सागरोपम की है। .....

(i) मेरे पहले तक कल्प होते हैं। .....

(j) मेरे मुकुट में सिंह का चिह्न होता है। .....

प्र.4 निम्न प्रश्नों के उत्तर एक-दो पंक्तियों में लिखिए **14x2 = (28)**

(a) 4 अकर्मक क्रियाएँ लिखिए।

.....

.....

(b) प्राकृत वर्णमाला में कौन-कौनसे स्वर नहीं होते हैं?

.....

.....

(c) **नरक में 3 प्रकार की वेदनाएँ कौनसी हैं?**

.....

.....

(d) **हस्तिनापुर नगर कैसा था?**

.....

.....

(e) **वरदत्त कुमार ने किसकी देशना सुनकर श्रावक धर्म स्वीकार किया?**

.....

.....

(f) **आभियोग्य देव किसे कहते हैं?**

.....

.....

(g) **परेऽप्रवीचाराः का अर्थ लिखिए।**

.....

.....

(h) **बहिरवस्थिताः का अर्थ लिखिए।**

.....

.....

(i) **किन चार बातों में ऊपर-ऊपर के देव हीन हैं?**

.....

.....

(j) **जघन्य अवगाहना वाला नैरयिक जघन्य अवगाहना वाले नैरयिक से स्थिति की अपेक्षा कितने स्थान पतित होता है?**

.....

.....

(k) **केवलानी मनुष्य केवलज्ञानी मनुष्य से स्थिति की अपेक्षा कितने स्थान पतित होता है?**

.....

.....

(l) **आत्मा के लक्षण क्या हैं?**

.....

.....

(m) **चउरिन्द्रिय जीव की कायस्थिति कितनी है?**

.....

.....

(n) **मनुष्य लोक के बाहर काल का व्यवहार क्यों नहीं होता है?**

.....

.....

प्र.5 निम्न प्रश्नों के उत्तर दो-तीन वाक्यों में लिखिए : - **14x3=(42)**

(a) **परमाणु और प्रदेश में क्या अन्तर है?**

.....

.....

.....

.....

(b) **पुद्गल लोक में किस प्रकार स्थित रहते हैं?**

.....

.....

.....

.....

(c) **देवों की दस श्रेणियाँ कौनसी हैं? नामोल्लेख कीजिए।**

.....

.....

.....

.....

(d) **जम्बूद्वीप के सात क्षेत्रों का विभाजन किस आधार से होता है?**

.....

.....

.....

.....

(e) **मध्यम स्थिति वाले पृथ्वीकाय की मध्यम स्थिति वाले पृथ्वीकाय से तुलना कीजिए।**

.....

.....

.....

.....

(f) **उत्कृष्ट स्थिति वाले बेइन्द्रिय की उत्कृष्ट स्थिति वाले बेइन्द्रिय से तुलना कीजिए।**

.....

.....

.....

.....

(g) **कर्म से दिखने वाली विषमता व विविधता का वर्णन कीजिए।**

.....

.....

.....

.....

(h) **समाधिमरण का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।**

.....

.....

.....

.....

(i) **प्राकृत भाषा के 6 प्रकार कौनसे हैं? नाम लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(j) **कुसग्गे जह ओसबिन्दुए, थोवं चिट्ठइ लंबमाणए।**
एवं मणुयाण जीवियं, समयं गोयम! मा पमायए।। गाथा का भावार्थ लिखिए।

.....

.....

.....

.....

(k) **दुल्लहे खलु माणुसे भवे, चिरकालेण वि सव्वपणिणं।**
गाढा य विवाग कम्मुणो, समयं गोयम! मा पमायए।। गाथा का भावार्थ लिखिए।

.....

.....

.....

.....

(l) **अहीण पंचिंदियत्तं पि से लहे, उत्तम धम्मसुई हु दुल्लहा।**
कुतित्थ निसेवए जणे, समयं गोयम! मा पमायए।। गाथा का भावार्थ लिखिए।

.....

.....

.....

.....

(m) **अकलेवरसेणिमुस्सिया, सिद्धिं गोयम! लोयं गच्छासि।**
खेमं च सिवं अणुत्तरं, समयं गोयम! मा पमायए।। गाथा का भावार्थ लिखिए।

.....

.....

.....

.....

(n) **निम्न वाक्यों के हिन्दी अर्थ लिखिए-**

तुमं कव्वं लिहसि- .....

देवो कत्थ गच्छइ- .....

वयं पोत्थआणि पढामो- .....